भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

DIGITAL - EPAPER

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 07 | प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय | बिजौलिया - सोमवार, 23 जून 2025 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4

कांग्रेस की नियुक्ति में भारी चूक!

नियुक्त मंडल अध्यक्ष ने किया भाजपा में प्रवेश

सोशल मीडिया पर की जॉइनिंग की घोषणा , वायरल पोस्ट ने मचाया बवाल

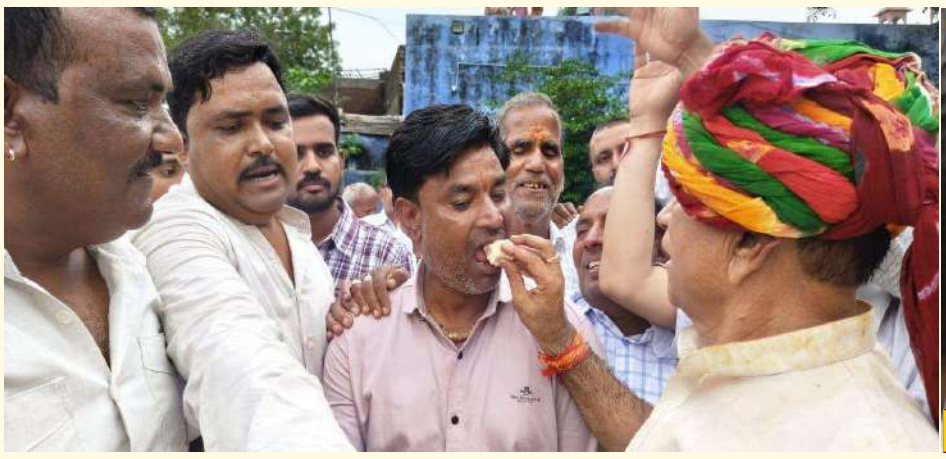

बिजोलिया : विधायक खंडेलवाल के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष बैरागी

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

कांग्रेस संगठन की नियुक्तियों पर एक बार फिर सवाल उठ खड़े हुए हैं। मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में सदाराम जी का खेड़ा मंडल कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल बैरागी द्वारा मंच पर केक काटते हुए स्वागत करना ही काफी नहीं था – बैरागी ने स्वयं सोशल मीडिया पर विधायक के साथ तस्वीर साझा कर भारतीय जनता पार्टी जॉइन करने की घोषणा भी कर दी। यह तस्वीर और पोस्ट रविवार को वायरल हुई, जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त नाराज़गी फूट पड़ी है। पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने इसे कांग्रेस संगठन के लिए खतरे की घंटी बताया है।

कांग्रेस ने पिछले महीने की थी नियुक्ति, अब सामने आया असली चेहरा

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने बीते माह बिजौलिया उपखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में मंडल अध्यक्षों की घोषणा की थी, जिसमें गोपाल बैरागी को सदाराम जी का खेड़ा क्षेत्र का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। लेकिन अब उनकी भाजपा में सार्वजनिक सक्रियता और खुद की घोषित निष्ठा ने कांग्रेस नेतृत्व को असहज स्थिति में ला खड़ा किया है।

बैरागी का कबूलनामा: कांग्रेस से कोई नाता नहीं, विधायक के कहने पर भाजपा जॉइन की

बैरागी ने खुद कहा है—

मैं कभी कांग्रेस का सक्रिय सदस्य नहीं रहा। मुझे बिजौलिया के जिला परिषद सदस्य अंकित तिवाड़ी द्वारा कांग्रेस मंडल अध्यक्ष बनाए जाने की बात कही गई थी, लेकिन मैंने मना कर दिया था। मेरा कांग्रेस से कोई दस्तावेजी संबंध नहीं है। मैं भाजपा विचारधारा से जुड़ा हूं और विधायक श्री गोपाल खंडेलवाल के मार्गदर्शन में क्षेत्र की सेवा के लिए भाजपा जॉइन की है।÷

इसके साथ ही बैरागी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भाजपा जॉइनिंग की घोषणा करते हुए विधायक के साथ कई तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वे केक काटते व स्वागत करते नजर आए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा, सोशल मीडिया पर हो रहा विरोध प्रदर्शन

बैरागी की वायरल पोस्ट और तस्वीरों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष की आग भड़का दी है।

स्थानीय कार्यकर्ता लगातार सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप्स में संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसमें मांग की जा रही है:

- बैरागी की तत्काल संगठन से छुट्टी हो,
- जिन्होंने नाम सुझाया उनकी भूमिका की जांच हो,
- और ऐसी नियुक्तियों पर रोक लगे जो पार्टी की मूल विचारधारा को कमजोर करती हैं।

जिला परिषद सदस्य अंकित तिवाड़ी बोले – "जांच कर बताऊंगा"

जब इस मामले में कांग्रेस के बिजौलिया जिला परिषद सदस्य अंकित तिवाड़ी से सवाल पूछा गया कि क्या उन्होंने ही बैरागी की सिफारिश की थी, तो उनका जवाब था-

"मैं मामले की जानकारी लेकर ही कुछ कह पाऊंगा।"

संगठन में घुसपैठ या लापरवाही?

हाल ही में कुछ दिनों पूर्व नियुक्त बिजोलिया ब्लॉक के सदा राम जी का खेड़ा मंडल के अध्यक्ष गोपाल बैरागी बीजेपी के विधायक का तिलाकया स्वागत कर केक कटवाते हुए नजर आए
क्या कांग्रेस ऐसे लोगों को नियुक्ति दे रही है जो बीजेपी से जुड़े हुए है और उनके कहने पर कार्य कर रहे है इस चीजों से मंडल और ब्लॉक क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता नाराज है अगर ऐसे ही गद्दारों को कांग्रेस बड़े पदो पर बिठाती रहेगी तो कार्यकर्ता कांग्रेस पर किस तरह भरोसा करेगा।।
कार्यकर्ताओं ने शीर्ष नेतृत्व से जांच कर करवाई की मांग की है
और कहा की
इनको बनाने में किसने नाम दिए उनपर भी करवाई होनी चाहिए
जो बीजेपी विधायक के साथ जुड़े हुए है
और कांग्रेस में वर्तमान समय में पद पर है उनपर भी उचित कार्यवाई की जाए ये वही लोग है जो वर्षों से कांग्रेस के कार्यकर्ता काम कर रहे है उनका नाम शीर्ष नेतृत्व को ना देकर बीजेपी के लोगो को बड़े

बिजोलिया : बैरागी के कांग्रेस से भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल मीडिया पर डाला गया संदेश

कांग्रेस नेतृत्व के लिए बड़ा इम्तिहान

इस घटनाक्रम ने कांग्रेस के आंतरिक संगठनात्मक ढांचे और नियुक्ति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का कहना है:

÷जो कार्यकर्ता वर्षों से कांग्रेस के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, उन्हें नजरअंदाज कर ऐसे लोगों को पद दिए जा रहे हैं जो पार्टी की निष्ठा को ही नहीं मानते। इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल टूट रहा है और संगठन कमजोर हो रहा है।÷

चर्चा का विषय बना मामला, कांग्रेस के सामने आत्ममंथन की जरूरत

बैरागी का भाजपा प्रेम, सोशल मीडिया पर खुली घोषणा, और कांग्रेस संगठन में दी गई जिम्मेदारी – इन तीनों बातों ने कांग्रेस को संकट में डाल दिया है। अब देखना है कि क्या पार्टी इस मामले में उदाहरण पेश कर कड़ा कदम उठाती है या यह मामला संगठनात्मक कमजोरी का प्रतीक बनकर रह जाएगा।

बिजोलिया : सोशल मीडिया पर जॉइनिंग की पोस्ट

मेनाल जलप्रपात पर उमड़ी सैलानियों की भीड़, प्रशासन ने झरने के पास नहाने पर लगाई रोक

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

(**रमेश गुर्जर**) विंध्याचल पर्वतमाला की गोद में बसे ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थल मेनाल में रविवार को पर्यटकों की भारी आवाजाही देखी गई। राजस्थान और मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों उदयपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी, भीलवाड़ा तथा सीमावर्ती इलाकों से आए सैलानी यहां के झरने और प्राचीन स्थापत्य मंदिरों की सुंदरता का आनंद लेते नजर आए।

तेज बारिश से 150 फीट ऊंचाई से गिरता है जलप्रपात :

क्षेत्र में हाल ही में हुई अच्छी मानसूनी वर्षा के चलते मेनाल का प्रसिद्ध झरना इस समय लगभग 150 फीट की ऊंचाई से जलप्रवाह के साथ बह रहा है। हरी-भरी पहाड़ियों और चट्टानों के बीच से गिरते पानी की गूंज ने प्राकृतिक सौंदर्य को अद्भुत दृश्य में बदल दिया है। पर्यटक यहां चट्टानों के बीच बहते झरनों में नहाने, पिकनिक मनाने और सेल्फी लेने पंहुचे ।

प्रशासन सख्त –100 फीट तक नहाने पर प्रतिबंध, सुरक्षा के निर्देश

पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या और संभावित हादसों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने झरने से 100 फीट की दूरी तक नहाने पर सख्त पाबंदी लगा दी है। लोहे की चैन से बेरिकेडिंग कर इलाके को सीमित किया गया है, ताकि कोई झरने के पास न पहुंचे।

बेगूं एसडीएम मनस्वी नरेश ने भी रविवार को मेनाल स्थल का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जायजा लिया । उन्होंने इस दौरान सीढ़ियों पर बेरिकेडिंग लगाने के निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान रावडदा पंचायत के सरपंच राजकुमार सेन एवं वीडीओ इकबाल डायर भी मौके पर मौजूद रहे। स्थानीय प्रशासन द्वारा पर्यटकों को सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील भी की गई।

बिजोलिया : रविवार को झरने का लुत्फ उठाने पहुंचे पर्यटक

प्राचीन मंदिरों ने भी खींचा ध्यान :

गौरतलब है मेनाल केवल झरने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने प्राचीन स्थापत्य मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए भी प्रसिद्ध है।

यहां स्थित मंदिरों की दीवारों पर उकेरी गई 11वीं-12वीं सदी की शिल्प कलाकृतियां, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करती हैं।

बिजोलिया : 150 फिट ऊँचाई से गिरता मेनाल झरना

इतिहास की पीड़ा: मंदाकिनी मंदिर परिसर में टपकती छतें, सीलन, काई – उपेक्षा से बिखर रही है 12वीं सदी की विरासत

भीलवाड़ा : मंदिर परिसर में अव्यवस्था के चलते गेट टूटे शोचालय

भीलवाड़ा : शैवाल (काई) से भरा कुंड

भीलवाड़ा : मंदिर परिसर स्थित हजारेश्वर मंदिर की दरकती दीवारें

भीलवाड़ा : बंद पड़ी घास कटर मशीन

भीलवाड़ा : पानी टपकती छत

भीलवाड़ा : उद्यान में फैली अव्यवस्थित घास

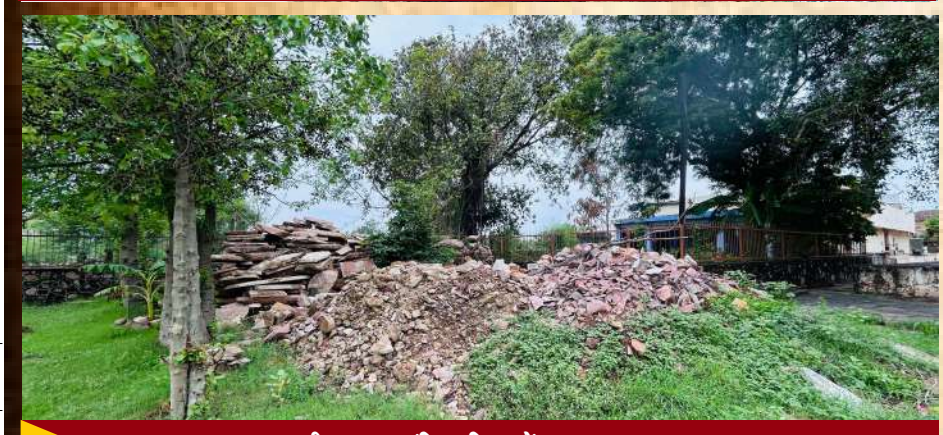

भीलवाड़ा : मंदिर परिसर में डाला गया मलबा

भीलवाड़ा : मंदाकिनी मंदिर का ऐतिहासिक परिसर

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

जिले के ऐतिहासिक कस्बे बिजौलिया में स्थित मंदाकिनी मंदिर परिसर, जो 12वीं-13वीं शताब्दी की स्थापत्य कला और श्रद्धा का जीता-जागता प्रमाण है, आज लापरवाही की दरारों में दरकता जा रहा है।

राज्य सरकार के पुरातत्व विभाग के अधीनस्थ यह धरोहर बारिश की पहली फुहारों के साथ ही टपकती छतों, शैवाल से अटे कुंडों और उजड़ते उद्यानों के बीच दम तोड़ रही है।

सदियों पुराना वैभव, आज उपेक्षा के साए में :

मंदिर परिसर में स्थित हजारेश्वर, उंडेश्वर और महाकालेश्वर जैसे प्राचीन शिवालय न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र हैं, बल्कि राजस्थान की मध्यकालीन मंदिर शैली के अनमोल उदाहरण भी हैं।

इनमें शिवलिंग आज भी विराजमान हैं, लेकिन उनके ऊपर की छतें मानसून के पानी से रिस रहीं हैं, दीवारें सीलन से जूझ रही हैं और परिसर के अंदर फर्श पर पानी बिछा हुआ है।

शिल्पकला के स्तंभों में आ रही है दरारे :

स्थानीय निवासी शंभु सिंह शक्तावत बताते हैं कि तीनों मंदिरों में कई जगह धीरे-धीरे पत्थर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। अगर व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो सैकड़ों साल पुराने मंदिर , मूर्तियों व दीवारों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

पुरातत्व विभाग की मौन उपस्थिति, जिम्मेदारी से दूरी :

शक्तावत ने बताया कि भले ही मंदिर परिसर की जिम्मेदारी पुरातत्व विभाग के पास है और यहाँ दो स्थायी व एक अस्थायी कर्मचारी तैनात हैं, लेकिन वास्तविक देखरेख कहीं नज़र नहीं आती।

मंदिर परिसर में फैली घास, मलबा, टूटे हुए शौचालय, और अवस्थाएँ विभाग की निष्क्रियता की गवाही देते हैं।

कभी चहल-पहल से गूंजता था उद्यान, अब वीरानी और सर्पभय:

प्रमेन्द्र विजयवर्गीय ने बताया की मंदिर परिसर का उद्यान कभी स्थानीय लोगों के लिए सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र हुआ करता था।

लेकिन आज वह जंगलनुमा मैदान में तब्दील हो चुका है। ग्रास कटर मशीन वर्षों से खराब है और न उसकी मरम्मत हुई, न नई मशीन आई।

अब तो लोग सुबह शाम को टहलने भी नहीं आते, सांप-बिच्छू निकलते हैं। जहां कभी बच्चे खेलते थे, अब वहां डर है।

श्रमदान से साफ हुआ कुंड, फिर भी विभाग खामोश

मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन कुंड का ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व भी किसी से छुपा नहीं।

हर वर्ष यहां 300 से अधिक बच्चे तैराकी सीखने आते हैं, लेकिन अब कुंड काई और गंदगी से पट गया है।

प्रमेन्द्र विजयवर्गीय बताते हैं की पिछले वर्ष नगरवासियों ने मिलकर श्रमदान से कुंड की सफाई की, लेकिन विभाग की ओर से कोई सहयोग या स्थायी पहल नहीं हुई। अब कुंड फिर उसी हाल में है।÷

शौचालय भी बना उपेक्षा का स्मारक :

शम्भू सिंह ने बताया है की पुरातत्व विभाग द्वारा 2.70 लाख की लागत से बनाया गया शौचालय परिसर भी अब शोभा की जगह शर्म का कारण बन चुका है। गेट टूट चुके हैं, टंकियां जाम हैं और अंदर घुसना मुश्किल।

देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए यह अनुभव निराशाजनक ही नहीं, निंदनीय है।

तीन मंदिर, एक धरोहर – लेकिन प्रशासन मौन

शंभु सिंह, विजयवर्गीय और अन्य स्थानीय जनों की चिंता केवल धार्मिक नहीं, सांस्कृतिक और सामाजिक भी है।

यह मंदिर केवल पूजा-पाठ का स्थान नहीं, बिजौलिया के इतिहास, स्थापत्य और विरासत का प्रतीक है।

अगर यही उपेक्षा जारी रही, तो आने वाली पीढ़ियों को इन मंदिरों की केवल तस्वीरें ही दिखा पाएंगे ।

क्या इतिहास की पुकार सुनेगा विभाग?

बिजौलिया के मंदाकिनी मंदिरों की उपेक्षा एक सांस्कृतिक अपराध से कम नहीं।

जब राजस्थान को उसकी विरासत और धरोहरों के लिए जाना जाता है, तो ऐसी ऐतिहासिक स्थलों की दुर्दशा राज्य की पहचान को ही धुंधला कर रही है। अब समय आ गया है कि पुरातत्व विभाग जागे, बजट का उपयोग सही दिशा में हो, और मंदिरों को उनकी गरिमा लौटाई जाए – वरना इतिहास माफ नहीं करेगा।

QUICK BITES

जीवन में कभी नहीं करे सिद्धांतों से समझौता, परमार्थ से बदल सकता भाग्य -आचार्य ज्ञानमुनि

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

जीवन में जब मेहनत करने के बाद भी सपने पूरे नहीं होते तो हमें रास्ते बदलने चाहिए लेकिन अपने सिद्धांत पर अडिग रहने चाहिए।पेड़ भी हमेशा पत्ते बदलता है पर जड़ नहीं। यह बात युगदृष्टा आचार्य ज्ञानचंद्रजी म.सा. ने रविवार को शहर के चंद्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार जैन स्थानक में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि व्यापार में मेहनत कर कमाई कम हो या ज्यादा पर जो धंधा हमारे सिद्धांतो के अनुरूप नहीं होता वह नहीं करते हैं। इसी तरह साधु जीवन होता है। मूलभूत सिद्धांत, अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य अपरिग्रह तो वही रहेंगे। इसकी उत्तर गुण परक अनुपालना में देश काल के अनुसार फर्क आ सकता है। उन्होंने कहा कि आजकल कई लोग यह कहते हुए भी पाए जाते हैं कि जब से मकान बनाया है, तब से घर में शांति नहीं है। बीमारी है, क्लेश है, व्यापार भी उतना नहीं है। इसके लिए लोग वास्तु वाले के पास भागते हैं। वो सीढ़ियां तुड़वा देगा,कीचन बदलवा देगा। दस बीस लाख का नुकसान करवा देगा। पर यह तरीका सही नहीं है। इसकी जगह धर्मशाला में, हॉस्पिटल में या स्कूल में एक कमरा बना दो। वहां पर जितने परमार्थ के कार्य होंगे उनके वाइब्रेशन से आपका वास्तु स्वतः सही हो जाएगा। परमार्थ का कार्य वास्तु क्या,भाग्य भी बदल देता है। आचार्य ने कहा कि जीवन में खुशी और सकुन पाने के लिए घर का वास्तु नहीं अपना भाग्य बदलना सीखिए। जब भी अपने लिए बहुत कुछ खर्च करते हैं तो आटे में नमक जितना ही सही परमार्थ भी करिए। धर्मसभा में चंद्रशेखर आजादनगर संघ के पदाधिकारियों ने पधारे हुए सभी श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत किया। श्री अरिहन्तमार्गी जैन महासंघ भीलवाड़ा शाखा के मंत्री नौरतमल गुगलिया ने बताया कि आचार्य ज्ञानचंद्रजी म.सा. के प्रवचन सोमवार एवं मंगलवार सुबह 8.30 बजे से शास्त्रीनगर स्थित अहिंसा भवन स्थानक में होना संभावित है। महासंघ के अध्यक्ष अनिल डांगी ने बताया कि आचार्य ज्ञानचंद्रजी म.सा.आदि ठाना का चातुर्मासिक मंगलप्रवेश 6 जुलाई को सुबह आरके कॉलोनी स्थित अरिहन्त भवन से प्राइवेट बस स्टेण्ड के पास स्थित श्री प्राज्ञ भवन में होगा।

गंगापुर में चारभुजा मंदिर पर महिलाओं ने भगवान को कराया नौका विहार

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर

महिला मंडल गंगापुर द्वारा चारभुजा मंदिर में रविवार को भजन कीर्तन कर भगवान को नौका विहार कराया गया व ठाकुर जी के साथ फव्वारा स्नान किया। महिलाओं द्वारा भजनों पर जमकर नृत्य भी किया गया। इस दौरान चंदा जागेटिया,उर्मिला मुंदड़ा, बिंदु सोनी,हंसा बहेड़िया,वंदना लढा, दीना भदादा, पूनम महता,आशा शर्मा,सीमा लोहिया, मीना लोसर,सीमा समदानी,चंदा काबरा सहित अन्य महिलाएं मौजूद थी।

पंडित प्रदीप मिश्रा सुनाएंगे शिव महापुराण कथा, संतों व भक्तों का लगेगा महाकुंभ

धर्मनगरी भीलवाड़ा में पहली बार 9 सितम्बर से होने वाले आयोजन समिति गठन के लिए बैठक 23 को

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

(पेसवानी) धर्मनगरी भीलवाड़ा में आगामी 9 से 15 सितम्बर तक पहली बार प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा शिव महापुराण कथा का वाचन करने जा रहे है। संकटमोचन हनुमान मंदिर भीलवाड़ा के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में होने वाले इस आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां शुरू हो गई है। संतों व भक्तों का 'महाकुंभ' बनने वाले इस कथा आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से करने के लिए सनातन संस्कृति के प्रति आस्थावान समाज के विभिन्न वर्गों को इस आयोजन से जोड़ा जा रहा है। आयोजन समिति गठित करने के लिए श्रद्धालुजनों की बैठक 23 जून सोमवार शाम 7.30 बजे संकटमोचन हनुमान मंदिर में होगी। महंत बाबूगिरी महाराज के सानिध्य में होने वाली बैठक में भक्तगणों को कथा आयोजन से जुड़ी तैयारियों का दायित्व दिया जाएगा। आयोजन समिति के कार्याध्यक्ष राधेश्याम सोमानी ने बताया कि कथास्थल के रूप में आजादनगर महाप्रज्ञ सर्किल के पास स्थित मेडिसिटी ग्राउण्ड का चयन किया गया है। कथा आयोजन को लेकर शहर के शिव भक्तों में उत्साह का माहौल है ओर सभी बढ़ चढ़कर सहयोग के लिए तत्पर है। कथा में प्रतिदिन दो से तीन लाख भक्तगणों का सैलाब उमड़ने की संभावना के दृष्टिगत व्यापक स्तर पर तैयारियां होगी। महन्त बाबूगिरी महाराज ने बताया कि कथा के दौरान शंकराचार्य ओर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविन्द्रपुरी महाराज, अमरनाथ छड़ी मंदिर के महन्त दीपेन्द्रगिरी महाराज के साथ ही देश के विभिन्न क्षेत्रों से 200 से अधिक संत महात्मा भी आएंगे। भीलवाड़ावासियों को शिव महापुराण कथा के दौरान निरंजनी अखाड़ा परिषद के पंच परमेश्वर के साथ ही देश के प्रमुख संत महात्माओं ओर महामंडलेश्वर के दर्शनों का लाभ भी प्राप्त होगा। शिवमहापुराण कथा का देशभर में लाइव प्रसारण करने की व्यवस्था भी होगी। कथा प्रागंण में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 80 से अधिक विशाल एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाएगी। महन्त बाबूगिरीजी महाराज के साथ भीलवाड़ा के प्रमुख संत महात्मा भी संभावित कथास्थल का अवलोकन कर चुके है। समाजसेवी महावीर अग्रवाल, रमेश बंसल, सांवरमल बंसल, गजानंद बजाज, पीयूष डाड, मंजू पोखरना, अलका जोशी, पंडित अशोक व्यास, बद्रीलाल सोमानी, रामेश्वरलाल ईनाणी, कन्हैयालाल स्वर्णकार, दुर्गालाल सोनी,राजेश कुदाल, ममता शर्मा सहित कई भक्तगण इस विशाल आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हुए है।

भीलवाड़ा में तीन खाद फैक्ट्रियों पर छापा, 38 हजार बैग की बिक्री पर रोक

1111 लोगों ने एक साथ किया योग, सवाई भोज मंदिर परिसर में भी रहा उत्साहपूर्ण आयोजन

भीलवाड़ा : खाद फ़ेक्ट्रियो की जाँच करते हुए

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के निर्देश पर कृषि विभाग ने रविवार को जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन उर्वरक फैक्ट्रियों पर एक साथ छापे मारे। इस अभियान का नेतृत्व कृषि आयुक्तालय के संयुक्त निदेशक कृषि आदान नवल किशोर मीणा ने किया। भीलवाड़ा में यह कार्रवाई ओस्तवाल फोस्फोम कंपनी लिमिटेड औज्याड़ा, इण्डियन पोटाश लिमिटेड, एवं गायत्री स्पिनर लिमिटेड हमीरगढ़ में की गई।

संयुक्त निदेशक कृषि विनोद कुमार जैन ने बताया कि ओस्तवाल कंपनी पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत कार्रवाई की गई। फैक्ट्री में सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक के बैग जमीन पर रखे गए थे, जिससे उनमें नमी पहुंचने की संभावना थी। इस पर टीम ने तत्काल नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण के निर्देश दिए और मानक अनुसार पाए जाने पर ही बिक्री की अनुमति देने को कहा।

इसी तरह इंडियन पोटाश लिमिटेड

फैक्ट्री में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक के बैग निर्धारित बैच अनुसार संग्रहित नहीं किए गए थे। साथ ही बैच नंबर प्रिंट में कटिंग पाई गई। इसके चलते फैक्ट्री में रखे गए करीब 38,000 बैग के विक्रय पर रोक लगा दी गई। गायत्री स्पिनर कंपनी लिमिटेड में निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर में कांट-छांट पाए जाने पर फैक्ट्री को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

कार्रवाई के दौरान प्रयोगशाला विश्लेषक की योग्यता और प्रशिक्षण की जानकारी भी ली गई। निर्देश दिए गए कि विश्लेषकों को हर तीन साल में एक बार केंद्रीय उर्वरक नियंत्रण संस्थान, फरीदाबाद से प्रशिक्षण दिलाया जाए। साथ ही श्रमिकों के कार्य घंटे और निर्माण प्रक्रिया की भी विस्तृत जांच की गई।

टीम के फैक्ट्री पहुंचने के बाद स्थानीय कृषि विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। इस दल में अतिरिक्त निदेशक कृषि भीलवाड़ा खण्ड इन्द्र सिंह संचेती, संयुक्त निदेशक कृषि विनोद कुमार जैन, उपनिदेशक उद्यान डॉ. शंकर सिंह राठौड़, सहायक निदेशक डॉ. धीरेन्द्र सिंह राठौड़, किशन गोपाल जाट, कृषि अधिकारी सिद्धार्थ सोलंकी, प्रियंका पारीक और कजोड़ मल गुर्जर शामिल थे।

इन अधिकारियों ने मौके पर सिंगल सुपर फास्फेट के नमूने लिए और निर्देश दिए कि भविष्य में उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत तय मानकों का कड़ाई से पालन हो। साथ ही स्थानीय उर्वरक निरीक्षकों को समय-समय पर सघन निरीक्षण करने और अनियमितता मिलने पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

यारों का धोखा और ब्याज माफियाओं की प्रताड़ना से तंग युवक ने की आत्महत्या

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

शहर में फैले ब्याज माफिया नेटवर्क ने एक और ज़िंदगी लील ली। 20 जून को पटेल नगर निवासी देवेंद्र जायसवाल ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लेकिन यह सिर्फ एक आत्महत्या नहीं, बल्कि कर्ज़, धोखाधड़ी और प्रताड़ना से उपजी त्रासदी थी, जिसका खुलासा मृतक के मोबाइल में मिले एक वीडियो ने किया है।

मोबाइल वीडियो में मृतक ने सुसाइड से पहले लगाया आरोप – "मुझे इन 8 लोगों ने मारा है"

मृतक की पत्नी चंद्रकांता जायसवाल ने प्रतापनगर थाने में दर्ज करवाई रिपोर्ट में बताया कि देवेंद्र के फोन से एक वीडियो मिला है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से आठ लोगों के नाम लेते हुए मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने की बात कही है।

चंद्रकांता के अनुसार, वीडियो में उसके पति ने नामजद कहा है कि इन लोगों की वजह से मैं आत्महत्या कर रहा हूं।÷

पूर्व परिचित ने दिए थे मुनाफे के झांसे, 17 लाख हड़प लिए

देवेंद्र की पत्नी के अनुसार, अभिषेक पुत्र सत्यनारायण शर्मा नामक युवक ने अपने पिता सत्यनारायण शर्मा के साथ मिलकर निश्चित मुनाफा देने का लालच देकर दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करवा लिए और धीरे-धीरे 16 से 17 लाख रुपये हड़प लिए। न तो रकम लौटाई गई, न कोई मुनाफा दिया गया।

ब्याज पर उधार, चेक और स्टांप से डराकर वसूली -

नोगांवा निवासी गोपाल जाट पर आरोप है कि उसने देवेंद्र से जबरन खाली चेक, स्टांप और अन्य दस्तावेज़ लिए और ब्याज पर दी गई राशि से कई गुना वसूली शुरू कर दी। जिससे देवेंद्र का मानसिक संतुलन बिगड़ने लगा। वह लगातार ब्याज की किश्तें, पेनल्टी और धमकियों से जूझता रहा।

गहने गिरवी रखे, पैसे चुकाने के बावजूद जेवर नहीं लौटाए

विकास जैन और मनोज नारवानी नाम के व्यक्तियों ने देवेंद्र को गहने

गिरवी रखकर पैसे दिए, लेकिन पैसे चुकाने के बावजूद जेवर लौटाने से इनकार कर दिया। इसके उलट, दोनों लगातार अधिक ब्याज की मांग, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियों से परेशान करते रहे।

'दोस्ती' में भी मिला धोखा- लाखों की रकम नहीं लौटाई

देवेंद्र के परिचित भगवतीलाल जाट, लादू जाट और प्रहलाद खटीक पर भी आरोप है कि उन्होंने कुल मिलाकर ?11 लाख की राशि उधार ली और वापस नहीं लौटाई। बार-बार मांगने पर भी टाल-मटोल करते रहे, जिससे देवेंद्र की परेशानी और बढ़ गई।

एफआईआर दर्ज, वायरल हो रहा मृतक का वीडियो

देवेंद्र जायसवाल की पत्नी ने प्रतापनगर थाने में आठों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। फिलहाल मृतक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। मृतक द्वारा रिकॉर्ड किया गया वीडियो लोगों की संवेदनाओं को झकझोर रहा है, जिसमें उसने स्पष्ट कहा है इन लोगों ने मुझे इस हद तक मजबूर कर दिया कि अब जीना मुमकिन नहीं रहा।

प्रशासन की निष्क्रियता पर भी उठे सवाल

गौरतलब है कि भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक द्वारा ब्याज माफियाओं के खिलाफ टोल फ्री नंबर जारी किया गया था, लेकिन उसके बावजूद ब्याज पर पैसा देने वालों के हौसले अब भी बुलंद हैं।

देवेंद्र की मौत ने एक बार फिर से शहर में चल रहे अवैध लेन-देन, गली-मोहल्लों के साहूकारों और ब्लैक मेलिंग नेटवर्क पर प्रशासनिक कार्रवाई की जरूरत को उजागर कर दिया है।

भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित रक्तदान शिविर में 247 युवाओं ने किया रक्तदान, 31 मरीजों का होगा मोतियाबिंद ऑपरेशन

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला

(जसवंत पारीक) बनकाखेड़ा गांव में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर कार्यक्रम के तहत भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित विशाल रक्तदान शिविर और नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। कार्यक्रम स्थल देवनारायण मंदिर प्रांगण, मोचडिया मंड में सुबह से ही रक्तदाताओं और मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। बारिश के बावजूद युवाओं में रक्तदान को लेकर उत्साह और जोश चरम पर देखने को मिला। शिविर में 247 युवाओं ने रक्तदान किया, जिसमें 20 से अधिक ने दुर्लभ रक्तदान कर मानव सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। नारी शक्ति की भागीदारी भी विशेष रूप से सराहनीय रही।

आकोला : रक्तदान करते रक्तदाता

31 मरीजों का होगा निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

इसी शिविर के दौरान आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर में 244 मरीजों की आंखों की जांच की गई। उन्हें निःशुल्क चश्मे व दवाएं वितरित की गईं। इनमें से 31 मरीजों का सोमवार को ऑपरेशन गोमाबाई नेत्रालय, भीलवाड़ा में किया जाएगा।

संस्थान और ग्रामवासियों का संयुक्त आयोजन

इस शिविर का आयोजन श्री चारभुजा सेवा समिति, सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन, भीलवाड़ा, गोमाबाई नेत्रालय, एवं समस्त ग्रामवासी बनकाखेड़ा के संयुक्त प्रयास से किया गया।

समाजसेवी सांवरमल जाट और संस्थान सचिव गोपाल विजयवर्गीय ने बताया कि शिविर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में देश के प्रति समर्पण की भावना के साथ आयोजित किया गया, जिसे युवाओं ने भरपूर समर्थन दिया।

गूंजे देशभक्ति के जयघोष

कार्यक्रम स्थल पर रक्तदान महादान, भारत माता की जय, वंदे मातरम् और देवनारायण भगवान की जय के गगनभेदी नारों ने माहौल को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।

शिविर में सभी रक्तदाताओं को सम्मान पत्र प्रदान कर अभिनंदन किय ा गया।

विधायक व जनप्रतिनिधियों की रही उपस्थिति

शिविर में जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, कोटड़ी प्रधान करण सिंह बेलवा, पूर्व डेयरी चेयरमेन रतनलाल जाट, विधानसभा संयोजक कन्हैयालाल जाट, मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन, संस्थान सचिव गोपाल विजयवर्गीय, समाजसेवी शंकरलाल जाट, रक्तदाता गणपत सुथार सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा उपस्थित रहे।

हरि शेवा उदासीन आश्रम में वार्षिक वर्सी उत्सव 26 से ,चार दिवसीय कार्यक्रम, सेवादारियों की बैठक में जिम्मेदारियां सौंपी गईं

महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने सेवा-सुमिरन का संदेश दिया

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

(पेसवानी)। हरि शेवा उदासीन आश्रम, सनातन मंदिर, भीलवाड़ा में सतगुरु बाबा हरिराम साहेब एवं बाबा गंगाराम साहेब के वार्षिक वर्सी उत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। चार दिवसीय यह उत्सव आगामी 26 से 29 जून तक श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

आश्रम के संत गोविंदराम ने बताया कि परंपरा अनुसार इस वर्ष भी यह आयोजन भव्य रूप में सम्पन्न होगा। देशभर से श्रद्धालु सतगुरुओं की वंदना करने के लिए आश्रम में पधारेंगे।

सेवा समितियों का गठन

हाल ही में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में आश्रम परिसर में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के सान्निध्य में विभिन्न सेवा समितियों का गठन किया गया।

बैठक में सभी सेवादारियों के बीच आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कोठार सेवा, दूध-सब्जी लाने, चाय-जल सेवा, संतों की सेवा, चरण पादुका पूजन, भोजन वितरण, भंडार निर्माण, पत्रक वितरण, संतों एवं अतिथियों के आवागमन एवं आवास व्यवस्था आदि के लिए समितियां गठित की गईं।

इसके अलावा आयोजन स्थल की सजावट, स्वच्छता, यातायात और पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक चर्चा की गई।

उत्सव का कार्यक्रम

संत गोविंदराम ने बताया कि 26 जून (एकम तिथि) को परम पूजनीय श्री 108 बाबा हरिराम साहेब जी का 78वां वार्षिक वर्सी उत्सव और 29 जून (चौथ तिथि) को परम पूजनीय श्री 108 बाबा गंगाराम साहेब जी का 29वां वार्षिक उत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा।

इस दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन, प्रवचन, संतों की वाणी और भंडारे आयोजित किए जाएंगे। देशभर से बड़ी संख्या में साधु-संत और श्रद्धालु इस आयोजन में सम्मिलित होंगे। बाहर से पधारने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवास और भोजन की समुचित व्यवस्था की जा रही है। सभी व्यवस्थाएं इस प्रकार की जा रही हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सेवा-सुमिरन का महत्व

महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि ÷सेवा और सुमिरन का जीवन में बड़ा महत्व है। सतगुरु की सेवा करने से अंतःकरण शुद्ध होता है। सतगुरुओं के वचनों को जीवन में उतारकर सनातन धर्म के पथ पर आगे बढ़ना ही सच्चा साधक बनाता है।÷

उन्होंने कहा कि यह उत्सव केवल आयोजन मात्र नहीं है, बल्कि आत्मिक उन्नति और साधना का सुअवसर भी है।

बैठक में उपस्थित सदस्य

बैठक में संत मयाराम, ब्रह्मचारी इंद्रदेव, सिद्धार्थ, कुणाल, मिहिर, सचिव हेमंत वच्छानी, अंबालाल नानकानी, हीरालाल गुरनानी, हेमनदास भोजवानी, वीरूमल पुरूसवानी, पुरूषोत्तम परियानी, गोपाल नानकानी, वासु मोतियानी, ईश्वर आसनानी, इन्द्र आवतानी, गंगाराम पेशवानी सहित हंसगंगा हरि शेवा भक्त मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने तन-मन-धन से आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

श्रद्धा और उत्साह का माहौल

जैसे-जैसे उत्सव की तिथियां नजदीक आ रही हैं, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं और सेवादारों में उमंग और श्रद्धा का वातावरण बनता जा रहा है।

आश्रम परिसर में तैयारियों की गति तेज हो चुकी है। सेवा समितियों के सदस्य अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

आश्रम समिति का कहना है कि इस आयोजन को यादगार और भावपूर्ण बनाने हेतु सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त की जा रही हैं।

QUICK BITES

वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में पहली बार श्री खाटूश्याम कथा का हुआ शुभारम्भ

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाडा

(पंकज पोरवाल) । वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में पहली बार समस्त श्याम प्रेमी भक्त एवं तिलक नगर सेक्टर 8 के वासीयो द्वारा श्री खाटूश्याम कथा का आयोजन हलेड़ रोड, माताजी पाण्डाल, बियानी सर्किल पर किया जा रहा। पांच दिवसीय कथा का शुभारंभ रविवार खाटूश्याम की निकली मंगल कलश यात्रा से हुआ। जो चमत्कारी बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर चारभुजा मंदिर प्रांगण, तिलक नगर सेक्टर 8 कॉलोनी होते हुए कथा स्थल बियानी सर्किल पहुंची और वहां खाटू श्याम दरबार और लड्डू गोपाल जी की विधिवत स्थापना की गई। इसके बाद बाबा की ज्योति जलाई गई और उन्हें भोग लगाया गया। कथा प्रतिदिन 21 से 25 जून 2025 तक कौशलेंद्र शर्मा के श्रीमुख से सांय 7.30 से 11 बजे तक आयोजित की जाएगी। यह श्याम कथा को आयोजन भीलवाड़ा में पहली बार और राजस्थान में चौथी बार आयोजित हो रही हैं। कथा के दौरान श्याम प्रेमियों ने उनके भजनों हम हारे-हारे-हारे हम हारे के सहारे व सेठों का सेठ मेरा खाटू श्याम बाबा, कभी रूठना ना मुझसे तू श्याम सांवरे, मेरे बाबा की खाटू नगरी है कई भजनों पर झूमते हुए सभी श्याम प्रेमियों ने बाबा को मनाया। प. कौशलेंद्र शर्मा द्वारा कथा के प्रथम दिन से सुंदर सुंदर लीलाओं ने ऐसा समां बांध दिया कि शहर के श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। प्रभु श्रीकृष्ण और वीर बर्बरीक के बीच हुए संवाद को सुनकर भक्त भाव विभोर हो गए। वीर बर्बरीक ने जब अपने शीश का दान श्रीकृष्ण को दिया तो प्रभु ने उन्हें शीश के दानी के नाम से पूजे जाने का वरदान दिया और कहा कि वीर बर्बरीक तुम कलयुग के भगवान होंगे और मेरे श्याम नाम से तुम्हें विश्व में पूजा जाएगा। सिंगर राजू अलबेला, गायत्री उपाध्याय, आशीष सोनी, सतीश बियानी, विजय कांकरवाल, गोपाल शर्मा, पिंकी सोनी, मुरली बांगड़, गिरिराज शर्मा, गणपत सोनी, नीमा कांकरवाल, यतीश रेणु जैन, सहित समस्त सेक्टर 8 तिलक नगर वासी शामिल थे।

केशव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्काउट गाइड कला कौशल शिविर का समापन, छात्र-छात्राओं ने दिखाया हुनर

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट और गाइड के तत्वावधान में केशव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित छह दिवसीय कला कौशल शिविर का भव्य समापन रविवार को किया गया।17 से 22 जून तक चले इस शिविर के 37वें संस्करण में स्काउट-गाइड विद्यार्थियों ने विविध कलाओं का प्रशिक्षण लिया और अंतिम दिन अपने कौशल का सुंदर प्रदर्शन प्रस्तुत किया।समारोह की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए स्थानीय संघ सचिव उर्मिला पाराशर ने शिविर की जानकारी साझा की और बताया कि यह शिविर छात्रों की सृजनात्मकता और आत्मनिर्भरता के विकास में सहायक रहा। शिविर के समापन अवसर पर छात्राओं ने पेंटिंग, सिलाई, बुनाई, मेंहदी, साज-सज्जा और नृत्य जैसी कलाओं का प्रदर्शन किया। गाइड पूजा जीनगर द्वारा प्रस्तुत घूमर नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसे उपस्थित जनों ने खूब सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्काउट गाइड अध्यक्ष भंवरलाल शर्मा ने कहा कि यह शिविर केवल कलात्मक कौशल ही नहीं, बल्कि अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी बनाने की शिक्षा भी देता है। यह रचनात्मक सोच की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य अतिथि स्काउट गाइड अजमेर मंडल के प्रधान प्रतिनिधि रामेश्वर धाकड़ ने कहा कि कला कौशल शिविर बच्चों की प्रतिभा को उभारने और उन्हें आत्मविश्वास से भरने का एक सशक्त मंच है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी विनोद पाराशर , अखिल व्यास, शिविर प्रशिक्षक स्काउटर श्याम बिहारी शर्मा, गाइडर रश्मि व्यास, और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्याम बिहारी शर्मा ने किया, जबकि सचिव उर्मिला पाराशर ने सभी अतिथियों और सहभागी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

'भीलवाड़ा फोकस'
अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।
Mo.– 8696795959
Bhilwarafocus@gmail.com
BHILWARA Focus
भीलवाड़ा की बात,फोकस के साथ

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट के सामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890